ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-01-2022

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-01-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-01-26	2022-01-27	2022-01-28	2022-01-29	2022-01-30
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	22.0	22.0	23.0	23.0	23.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	8.0	9.0	9.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	44	43	36	24	24
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	21	20	16	13	11
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	7.0	9.0	9.0	4.0
पवन दिशा (डिग्री)	62	66	81	109	190
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में मौसम साफ रहने की सम्भावना है। आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 22.0 से 23.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 8.0 से 9.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

चने की फसल में फली छेदक कीट के नियन्त्रण हेतु फली बनने के बाद मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण का 25 कि.ग्रा, प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।

लघु संदेश सलाहकार:

सौंफ की फसल में पुष्प अवस्था पर 15-20 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करते रहे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	मौसम सरसों की फसल में एफिड के प्रकोप को बढ़ाने के लिए अनुकूल है। कीट के नियंत्रण के लिए मैलाथियान 50 ईसी. सवा लीटर या डाइमिथेएट 30 ईसी. 875 मिली लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।
गेहूँ	गेहूं की फसल में बालियां आना शुरू होने पर बुवाई के 70 दिन बाद सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मेंथी	मेथीं की फसल पुष्पन अवस्था में है और इस समय तुलासिता रोग का प्रकोप हो सकता है। फसल को रोग से बचाव के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
बैंगन	बैंगन की ग्रीष्मकालीन फसल के लिए नर्सरी तैयार करें। आजाद बी-1, बी.आर-112, पूसा भैरव, पूसा अनुपम, पूसा हाइब्रिड-5, पंजाब बहार उन्नत किस्मों की बुवाई करें। एक हैक्टेयर खेत में रोपाई के लिए 350-500 ग्राम बीज प्रयाप्त है। नर्सरी में बुवाई से पूर्व 2 ग्राम केप्टान से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दुधारु एवं नवजात पशुओं को शीत लहर से बचाने के समुचित प्रबन्ध करें। रात्रि में पशु घर के द्वार पर टाटी या जूट की बोरी लगा कर रखें तथा दुधारु एवं नवजात पशु की पीठ के चारों ओर जूट की बोरी बांधे।